ॐ जय शिव ओंकारा

ॐ जय शिव ओंकारा
ॐ जय शिव ओंकारा,
प्रभु हर शिव ओंकारा
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा
ारा
ॐ जय शिव ओंकारा
ॐ जय शिव ओंकारा,
प्रभु हर शिव ओंकारा
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा
ारा
ॐ जय शिव ओंकारा
एकानन चतुरानन पञ्चानन राजे
स्वामी पञ्चानन राजे
हंसानन गरूड़ासनासन
हंसानन गरूड़ासनासन
वृषवाहन साजे
ॐ जय शिव ओंकारा
दो भुज चार चतुर्भुजज,
दसभुज ते सोहे
स्वामी दसभुज ते सोहे
तीनों रूप निरखतारखता
तीनों रूप निरखतारखता
त्रिभुवन मन मोहे
ॐ जय शिव ओंकारा

अक्षमाला वनमाला मुण्डमाला धारीरी
स्वामी मुण्डमाला धारीरी
चन्दन मृगमद चंदा
चन्दन मृगमद चंदा
भोले शुभ कारीुभ कारी
ॐ जय शिव ओंकारा
श्वेताम्बर, पीताम्बर, बाघाम्बर अंगे
स्वामी बाघाम्बर अंगे
ब्रह्मादिक संतादिक
क
ब्रह्मादिक संतादिक
क
भूतादिक संगेक संगे

ॐ जय शिव ओंकारा
कर मध्ये च'कमण्ड चक्र त्रिशूलधरता
रता
स्वामी चक्र त्रिशूलधरता
रता
जग कर्ता जग हरता
जग हरता
जग कर्ता जग हरता
जग हरता
जगपालन करता
ॐ जय शिव ओंकारा
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव जानत अविवेकावेका
स्वामी जानत अविवेकावेका
प्रनाबाच्क्षर केमध्येषर केमध्ये
प्रनाबाच्क्षर केमध्येषर केमध्ये
ये तीनों एका
ॐ जय शिव ओंकारा
त्रिगुणस्वामी जी की आरति जो कोइ जन गावे
जो कोइ जन गावे
स्वामी जो कोइ जन गावे

कहत शिवानन्द स्वामी
कहत शिवानन्द स्वामी
मनवान्छित फल पावेित फल पावे
ॐ जय शिव ओंकारा
ॐ जय शिव ओंकारा, प्रभु हर शिव ओंकारा
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा
ारा
ॐ जय शिव ओंकारा
ॐ जय शिव ओंकारा, प्रभु हर शिव ओंकारा
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव
ब्रह्मा, विष्णुष्णु, सदाशिव, अर्द्धांगी धारा
ारा
ॐ जय शिव ओंकारा